

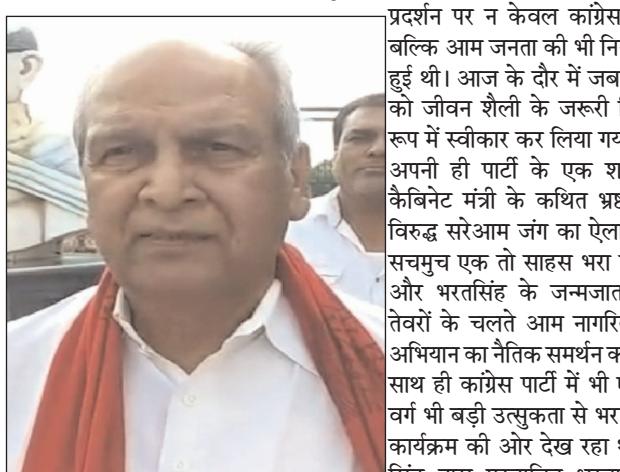
सम्पादकीय

परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम ने इमिताहान के भय को उत्सव में बदल दिया है

परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम में बट ?चे सीधे परीक्षाओं से संबंधित अपनी चिंताएं प्रधानमंत्री के साथ साझा करते हैं और उनसे परीक्षाओं और पढ़ाई से जुड़े सवाल करते हैं। इन प्रश्नों का उत्तर माननीय प्रधानमंत्री बड़ी रुचि, धैर्य और मनोयोग के साथ देते हैं। परीक्षाओं को लेकर अब ?सर कहा जाता है कि परीक्षा न तो आसान होती है, न कठिन होती है। जो विद्यार्थी इमानदारी और मेहनत से पढ़ाई करते हैं, उनके लिए परीक्षा आसान होती है और जो विद्यार्थी नहीं पढ़ते हैं उनके लिए परीक्षा कठिन होती है। लेकिन, हमारी वर्तमान शिक्षा ट?यरस्ट्या ने परीक्षाओं को हमारे जीवन के एक ऐसे भ्यावह दौर में बदल दिया है, जो सभी को डर से भरे रखता है। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अभिनव पहल, हृपरीक्षा पे चर्चालू, देश के करोड़ों विद्यार्थियों को परीक्षाओं के प्रति भयमव? त करने की दिशा में एक ठोस कदम है। वर्ष 2018 से जारी हृपरीक्षा पे चर्चालू एक सालाना कार्यक्रम है, जिसमें माननीय प्रधानमंत्री न सिर्फ छात्रों, बल्कि देश के शिक्षकों और अभिभावकों से गहन चर्चा करते हैं, उनकी समस्त ?यार्थ सुनते हैं और परस्त ?पर चर्चा के माध्यम से उन ?हें उनकी कठिनाईयों को दूर करने के समाधान भी सुझाते हैं। संभवतः यह विश? टे में अपने ढंग का एकमात्र कार्यक्रम है, जिसमें कोई रा?ट्राई ?यक्षण से परीक्षा जैसे विषय पर सीधे संवाद करता है। इस संवाद के अनेक सार्थक नतीजे भी सामने आए हैं। अब बट ?चे परीक्षाओं को लेकर पहले की तुलना में कहीं ज?यादा आ? ?मविश? ?वास से भरे नजर आते हैं और उनके अभिभावक निश्चित, तो इसका श्रेय हृपरीक्षा पे चर्चालू जैसे कार्यक्रम को दिया जाना चाहिए, जिसने एक ऐसा ?जामिनोफोबिया अर्थात परीक्षा के भय को एक उत्त?सव के विषय में बदल दिया है, जो परिणाम की चिंता से ज?यादा कर्म के पीछे की लगन, मेहनत और विश? ?वास को प्राथमिकता देना सिखाता है। परीक्षाओं से पहले की बेंचैनी और घबराहट को ह्वाए? ?जामिनोफोबियालू कहते हैं। यह वह डर है, जो किसी की कल ?पना की उपज नहीं है, बल्कि एक ऐसी वास ?तविकता है, जिसका साक्षात हर उस ट?यक्ति को होता है, जो कोई परीक्षा देने जा रहा है। ऐसे लोगों में सबसे बड़ी संख?या स?कूली छात्रों की होती है, तो इससे सर्वाधिक प्रभावित होने वालों में भी इन ?हीं की संख?या ज?यादा होती है। यह एक ऐसी स्थिति है, जो हमें मनोवैज्ञानिक रूप से ही प्रभावित नहीं करती, बल्कि भावनात्मक और शारीरिक रूप से भी हम पर काफी नकारात?मक असर डालती है। एक सर्वेक्षण में, लगभग 66% छात्रों ने स्वीकार किया था कि वे बेहतर अकादमिक प्रदर्शन के दबाव में रहते हैं और परीक्षा में असफल होने का डर, उन ?हें ज्यादातर समय तनाव में रखता है। परीक्षा पे चर्चालू में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कक्षा 9 से 12 के बच्चों को इसी तनाव और डर से निकालने के लिए उनके मन की बात सुनते हैं। यह किसी से छिपा नहीं है कि एक छात्र के जीवन में बोर्ड की परीक्षाओं का क?या महत?व होता है। इन ?हें उत्तीर्ण करने के लिए उन ?हें बहुत मेहनत करनी पड़ती है। लेकिन, व्यर्थ का तनाव और भय, उनके आ? ?मविश? ?वास को डगमगा देता है, जिससे उनकी पूरी मेहनत पर पानी फिर जाता है। खराब नतीजे, उनके जीवन को हताशा और कुंठा से भर देते हैं।

खोदा पहाड़ और निकली चुहिया

सांगोद से कांग्रेस विधायक भरतसिंह का 23 जनवरी 2023 को भ्रष्टाचार के विरुद्ध प्रदर्शन और धरना निरस्त होना स्वच्छ व ईमानदारी राजनीति के समर्थकों के लिए एक अप्रत्याशित झटका है। इस बहु प्रचारित व बहुप्रतीक्षित कार्यक्रम की व्यापक तैयारियां लंबे अरसे से की जा रही थीं। भरत सिंह, जिनकी छवि एक ईमानदार नेता की रही है, ने इस आयोजन को लेकर क्षेत्र का व्यापक दौरा किया, कई स्थानों पर कार्यक्रमों की मीटिंग ली। एक कर्मठ, ईमानदार और जड़ाखल नेता के रूप में भरत सिंह के प्रस्तावित



सह द्वारा प्रस्तावित धरना प्रदर्शन निरस्त करने के कारण जो भी रहे हो, इससे आमजन में निराशा के भाव हैं। साथ ही उनके इस कदम से उनकी फाइटर छवि भी कुछ अशों में खड़ित हुई है। कार्यक्रम निरस्त होने की तात्कालिक वजह भले ही जिला प्रशासन से अनुमति नहीं मिलना रहा हो लेकिन इस फैसले की पृष्ठभूमि में भरतसिंह पर आलाकमान के दबाव से भी इनकार नहीं किया जा सकता। अधिक तार्किक तो यही होता कि अनुमति नहीं मिलने पर भी भरतसिंह पूर्ण निर्धारित कार्यक्रम के मुताबिक प्रदर्शन करते हुए गिरफ्तारी देते हैं। इससे भ्रष्टाचार के विरुद्ध उनकी मुहिम अधिक विश्वसनीय नजर आती। संपूर्ण घटनाक्रम के परिपेक्ष में आम धारणा यही बनती नजर आ रही है कि खोदा पहाड़ निकली चुहिया।

एक दिन में 8,158 जल कनेक्शन

जयपुर। जल जीवन मिशन (जेजेएम) के तहत सोमवार को 8 हजार 158 हर घर जल कनेक्शन (एफएचटीसी) दिए गए। जनवरी माह में अभी तक एक लाख 12 हजार से अधिक कनेक्शन हो चुके हैं। इससे पहले दिसम्बर माह में 1 लाख 15 हजार 105 हर घर जल कनेक्शन हुए थे। जल कनेक्शनों की संख्या अप्रैल 2022 के बाद से ही उत्तरोत्तर बढ़ रही है। मिशन की शुरूआत से अभी तक हर घर जल कनेक्शन का आंकड़ा भी 33 लाख पार कर गया है। जनवरी माह में सर्वाधिक एफएचटीसी करने वाले जिलों में भीलवाड़ा 65 प्रतिशत लक्ष्य पूरे करने के साथ सबसे आगे है, जबकि 64 प्रतिशत राजेश्वर ने साथ लक्ष्य पूरे करने के साथ दूसरे

64 प्रातशत कनकशन क साथ झालावड दूसर, 62 प्रातशत क साथ चत्ताइगढ़ी तीसरे स्थान पर है। जेजेएम में जनवरी माह में अभी तक 485.12 करोड़ रुपए खर्च हो चुके हैं। इससे पहले दिसम्बर, 2022 में 763.38 करोड़ रुपए खर्च हुए थे। अतिरिक्त मुख्य सचिव जन स्वास्थ्य अभियानिकी डॉ. सुबोध अग्रवाल द्वारा मंगलवार को ली गई जल जीवन मिशन एवं विभाग की वृहद पेयजल परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा बैठक के दौरान उन्होंने प्रतिदिन औसतन जल कनेक्शन 10 हजार तक पहुंचाने का लक्ष्य दिया और जल कनेक्शनों में पिछल रहे जैसलमेर, हनुमानगढ़, प्रतापगढ़, सवाई माधोपुर, श्रीगंगानगर, दूंगरपुर एवं धौलपुर जिले के अभियानों को गति बढ़ाने के निर्देश दिए। डॉ. अग्रवाल ने कहा कि जनवरी माह के एफएचटीसी के प्रतिदिन के आंकड़े को बढ़ाते हुए अधिक से अधिक ग्रामीण घरों को जल कनेक्शनों से जोड़ें। उन्होंने वृहद परियोजनाओं में धीरीगति से कार्य कर रही कॉन्ट्रक्टर फर्मों को अपनी गति बढ़ाने के निर्देश दिए और फील्ड अभियंताओं को निर्देश दिए कि विभिन्न पेयजल परियोजनाओं की प्रगति की रिपोर्ट मुख्यालय को भेजें। बैठक में बताया गया कि जल गुणवत्ता जांच के तहत केमिकल टेस्ट अभी तक 71,596 तथा बेकटीरियल टेस्ट अभी तक 44 हजार 72 किए गए हैं। ब्लॉक स्तर पर 250 नई प्रयोगशालाएं स्थापित करने के लिए अभी तक 238 ब्लॉक में स्थान चयनित कर लिया गया है। इन ब्लॉक्स में तीन-चार माह में लैब स्थापित हो जाएंगी। 12 ब्लॉक्स में लैब के लिए स्थान सीधी ही चिन्हित कर लिया जाएगा। इस अवसर पर एमडी, जल जीवन मिशन अविचल चतुर्वेदी, मुख्य अभियंता (जल जीवन मिशन) आर. के. मीना, मुख्य अभियंता (विशेष परियोजना) दिनेश गोयल, मुख्य अभियंता (तकनीकी) दलीप गौड़, मुख्य अभियंता (प्रशासन) राकेश लुहाडिया, मुख्य अभियंता (शहरी एवं गुणवत्ता नियंत्रण) के डी गुप्ता, मुख्य अभियंता-जौधपुर नीरज माथुर सहित पीएचईडी रीजन एवं प्रोजेक्ट्स से जुड़े अतिरिक्त मुख्य अभियंता, अधीक्षण अभियंता एवं कॉन्ट्रक्टर फर्मों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

नये भारत को आकार देने के संकल्पों का गणतंग

गणतंत्र दिवस हमारा राष्ट्रीय पर्व है, इसी दिन 26 जनवरी, 1950 को हमारी संसद भारतीय संविधान को पास किया। इस दिन भारत ने खुद को संप्रभु, लोकतांत्रिक गणराज्य घोषित किया गया। तेहतर वर्षों में हमारा गणतंत्र कितनी ही कंटीली छाड़ियों की फँसा रहा। लेकिन अब इन राष्ट्रीय पर्वों के मनाते हुए संप्रभुता का अहसास होने लगा है। गणतंत्र का जरूर सामने है, जिसमें कुछ काम गुजरें की तमन्ना भी है तो अब तक कुछ कर पाने की बेचैनी भी है। हमारी जागरूकी आंखों से देखे गये स्वप्नों को आकार देने वाले विश्वास है तो जीवन मूल्यों को सुरक्षित करने एवं नया भारत निर्मित करने की तीव्र तैयारी है। अब होने लगा है हमारी स्व-चेतना राष्ट्रीयता एवं स्व-पहचान का अहसास। जिसमें आकार लेते वैयक्तिक, सामुदायिक सामाजिक, सांस्कृतिक, धार्मिक, राष्ट्रीय एवं वैशिक अर्थ की सुनहरी छाटाएं हैं। राष्ट्रीय पर्व गणतंत्र दिवस हमारी उत्तराखण्ड की ओर इशारा करता है जिसमें इतनी लंबी अवधि के दौरान अब जी-तो-प्रयासों के फलस्वरूप मिलने लगी है। यह हमारी विफलताओं पर भी रोशनी डालता है कि हम नाकाम रहे तो अखिर क्यों? क्यों हम राष्ट्रीय एकता और अखण्डता को सुटूटा नहीं दे पाये हैं? क्यों गणतंत्र के सूरज वर्षों में राजनीतिक अपराधों, घोटालों और भ्रातृचर्च के बादलों ने धेरे रखा है? हमने जिस संपूर्ण संविधान को स्वीकार किया है, उसमें कहा कि हम एक संपूर्ण प्रभुत्व-संपन्न समाजवादी, पथ-निरपेक्ष लोकतांत्रित्व समर्पित हैं। यह सही है और इसके लिए सर्वप्रथम जिस इच्छा-शक्ति की आवश्यकता है, वह हमारी शासन-व्यवस्था एवं शासन-नायकों में सर्वान्मता नजर आनी चाहिए और ऐसा होने लगा है तो यह सुखद अहसास है। एक संकल्प लाखों संकल्पों का उजाला बन सकता है यदि दृढ़-संकल्प लेने का साहसित अभ्यास करें। अंधेरों, अवरोधों एवं अक्षमताओं से संघर्ष करने की एक सार्थक मुहिम हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा नेतृत्व में वर्ष 2014 में शुरू हुई थी। उनके दूसरे प्रधानमंत्री के कार्यकाल में सुखद एवं उपलब्धिभरी प्रतिध्वनियां सुनई दे रही हैं भारत के लिये एक शुभ एवं श्रेष्ठकर घटना। इसी एक दिसंबर को जी-20 देशों के समूहों की अध्यक्षता संभालना। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में इस जिम्मेदारी को संभालना का अर्थ है भारत को सशक्त करने के साथ-

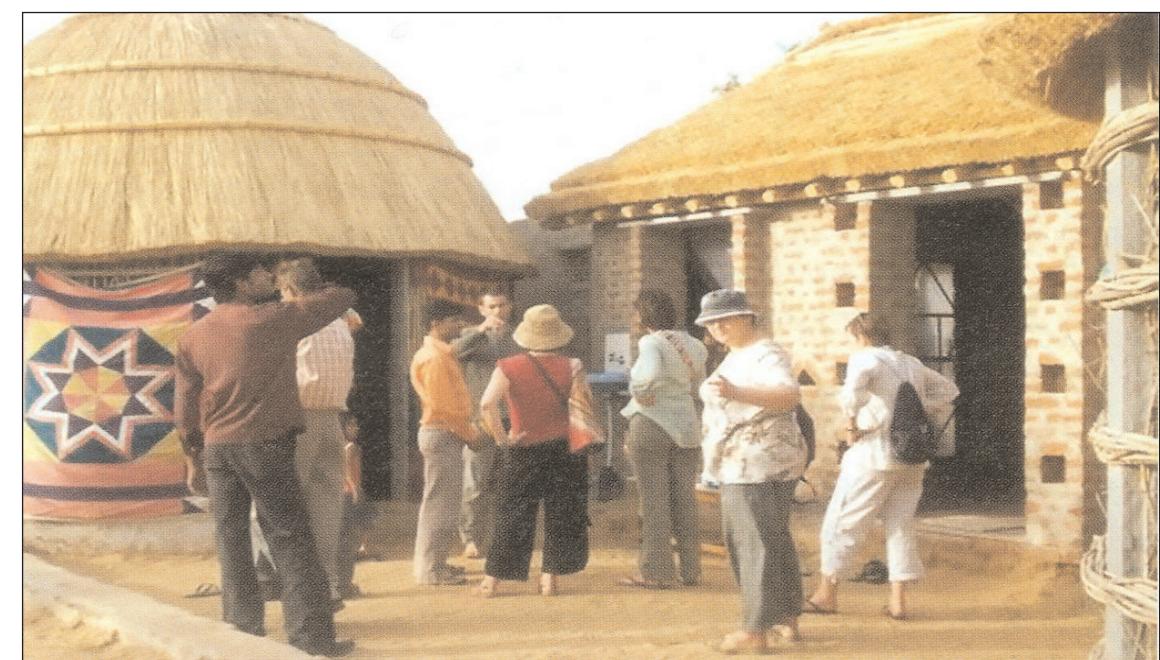
A photograph showing a group of Indian Army personnel on motorcycles, likely from the Presidential Guard, participating in a ceremonial parade. They are wearing dark uniforms and white helmets. In the background, the iconic India Gate war memorial is visible against a hazy sky. The scene is set on a wide, paved area, possibly a major road or an airfield.

चुनावी नफा-नुकसान के नजरिये से नहीं देखना चाहिए, बल्कि एक सशक्त होते राष्ट्र के नजरिये से देखा जाना चाहिए। उनका यह कहना खास मायने रखत है कि सदियों की गुलामी के चलते भारत को जिस हीनभावना से भर दिया गया था, आज का भारत उससे बाहर निकल रहा है। यह स्थिति इस वर्ष का गणतंत्र दिवस समारोह मनाते हुए विशेष रूप से गौरवान्वित करेंगी। वाकई यहां अब कोई सदेह शेष नहीं है कि यह सरकार देश व समाज को बदल रही है, लोगों का जीवनस्तर उन्नत कर रही है।

मोदी अपने आलोचकों को खुब जानते हैं, अतः उन्होंने उचित ही कहा है कि आज का भारत सिर्फ सोमानाथ के मंदिर का सौट्योंकरण ही नहीं कर रहा, अयोध्या में श्रीराम के मन्दिर के सदियों पूराने सपने को आकार ही नहीं दे रहा है, बाबा केदारनाथ धाम का जीोंगोद्धार ही नहीं कर रहा, बाबा विश्वनाथ धाम को भव्य रूप ही नहीं दे रहा है बल्कि सीमाओं की सुरक्षा भी बेखबी कर रहा है, समुद्र में हजारों किलोमीटर ऑप्टिकल फाइबर भी बिछा रहा है, हर जिले में मेडिकल कॉलेज भी बना रहा है, गरीबों को पवक्के मकान भी बनाकर दे रहा है, रोजगार, चिकित्सा, शिक्षा की अनूठी व्यवस्थाएं भी कर रहा है। मतलब वर्तमान शासन-नायकों को विरासत और विकास की समन्वित चिंता है। हिंदुत्व की चिंता है, तो विकास की भी पूरी फिक्र है। अब सुधार, सुशासन, स्व-संस्कृति, स्व-पहचान के दोषक जल उठे हैं, तो उसकी रोशनी तमाम देशवासियों को नया विश्वास, सुखद जीवनशैली देगी।

भारत के संवेधानिक एवं संप्रभुता सम्पन्न राष्ट्र बनने की 73वीं वर्षगांठ मनाते हुए हम अब वास्तविक भारतीयता का स्वाद चखने लगे हैं, आतंकवाद, जातिवाद, क्षेत्रीयवाद, अलगाववाद की कालिमाधूल गयी है, धर्म, भाषा, वर्ग, वर्ण और दलीय स्वार्थों के राजनीतिक विवादों पर भी नियंत्रण हो रहा है। इन नवनीर्माण के पदचिह्नों को स्थापित करते हुए हम प्रधानमंत्री के मुख से नये भारत-सशक्त भारत को आकार लेने के संकल्पों की बात सुनते हैं। गणतंत्र दिवस का उत्सव मनाते हुए यही कामना है कि पुरुषार्थ के हाथों भाय बदलने का गहरा आत्मविश्वास सुरक्षा पाये। एक के लिए सब, सबके लिए एक की विकास गंगा प्रवहमान हो।

ग्रामीण पर्यटन का खजाना है भारत



जहां एक से बढ़कर एक परिषद्यश देखने को मिल आकर आप ऐसी धारियों की सैर सकते हैं जिनमें ज्यादा एक्सप्लोरर नहीं किया गया है इसी से भारत एक अजब गजब देश है जिसे लेकर जंगल और बांध रेंगिस्तान तक देखने को मिल है और वास के मैदान अंतर्गत जमीन भी आपको यहां मिलती है पर्यटन की हड्डि से भारत लायक कई ऐसी जगहें हैं

प्राकृतिक देश की शान ताजमहल है। यहां कन्या कुमारी, गोवा, केरल और गावों दिल्ली, दार्जिलिंग, असाम आदि मंत्रमुग्ध स्थल इसी देश में हैं। इन हमारी का मकबरा, कुतु बुलाद दरवाजा, लाल किला चारमीनार, गेटवे ऑफ लॉटस टैपल, खजुराहो हमरी, अजंता की गुफाएँ, गुफाएँ उदयगिरि गुफाएँ इन देश के पर्यटन क्षेत्र बरबाद अपनी और स्थिंच लेते हैं।

पर्यटन के लिए हर जगह है। देश के पास के रिसोर्ट्स बने पचमीनी, अस्कु, गुलामाख, दारिलंगिंग और कोडाइकनगंगा मला, कुल्लू, नैनीताल, गगटावाह है। हमारे गाँव देश संस्कृति और पर्यावरण का खजाना हैं। भारत ग्रामीण क्षेत्रों में ३ पड़ी है जिन्हें सं

सी की पसंदीदा इँडी क्षेत्र गर्मियों होते हैं। इनमें मर्पा, श्रीनगर, मुन्नार, उटी न., शिलांग, गूरी, देहरादून आदि प्रमुख की सभ्यता, म्प्रारोओं का की विरासत ज भी खिखरी क्षेत्र सहेजना अंचलों में ऐतिहासिक सांस्कृतिक एवं धार्मिक विरासतों की भरमार है। विरासतों की सार संधाल के साथ इन्हें ग्रामीण पर्यटन से जोड़ दिया जाए तो ना केवल क्षेत्र का समुचित विकास हो सकेगा। वहीं इन विरासतों को नए मायने मिलने से बड़ा पर्यटन सर्किट विकसित हो सकता है। जिससे क्षेत्र की कायापलट हो सकती है। इससे एक तरफ जहाँ हमारी अमल्य विरासत संरक्षित होगी वहाँ दो हाथों को रोजगार

रविकाश फाइनैंसियल सर्विसेज की जोधपुर शाखा का शुभारम्भ



जयपुर। वित्तीय क्षेत्र की अग्रणी कंपनी रविकाश फाइनेंशियल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड का विस्तार करते हुए सोमवार को रख्द टॉवर, सरदारपुरा, जोधपुर में नवीन शाखा का शुभारम्भ कियागया। रविकाश के डायरेक्टर विकास ओझा और रवि ढांगरा ने फीता काटकर शुभारम्भ किया। रविकाश फाइनेंशियल की जोधपुर शाखा का नेतृत्व क्लस्टर हेड की भूमिका में कुनाल गौर करेंगे। विकास ओझा ने बताया की रविकाश एक अग्रणी वित्तीय परामर्श फर्म है, जो राजस्थान में

कृत चैनल पार्टनर है, का कॉपरेट ऑफिस कुईन्स वैशाली नगर, जयपुर में है। विकास ओडो ने बताया रविकाश फाइनेंसियल अपने कों को वित्तीय एवं सामान्य सेवा देने के साथ विभिन्न और वित्तीय संस्थाओं से दिलाने में मददगार की का निभाता है। 2019 में आपित, रविकाश नें सियभारत में अग्रणी य उत्पादों और सेवाओं की रण कंपनी में से एक है। ढींगरा ने बताया कि कंपनी वित्तीय वर्ष में राजस्थान

में अपनी शाखाएं संचालित करने के साथ साथ नए वित्तीय वर्ष की शुरूवात के साथ भारत के अन्य राज्यों में भी अपनी शाखाओं का शुभारंभ करेगी। कंपनी ग्राहकों को सभी प्रकार के वित्तीय उत्पादों जैसे होम लोन, प्रॉपर्टी पर लोन, ओवरड्राफ्ट लिमिट, वर्किंग कैपिटल, सीसी लिमिट, प्रोजेक्ट फंडिंग, कार लोन, पर्सनल लोन, बिजनेस लोन और इंश्योरेंस प्रोडक्ट आदि में वित्तीय सलाहकार बनकर मदद करती है।

